1 संज्ञा (Noun)

संज्ञा (Noun)– किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जानवर, भाव, गुण आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं । जैसे– राम, पुस्तक, भरतपुर, गर्मी, सर्दी आदि ।

संज्ञा के भेद (Kinds of Noun)

संज्ञा के निम्नलिखित पाँच भेद हैं :

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) (2) जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) (3) भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) (4) समुदायवाचक या समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun) (5) द्रव्यवाचक संज्ञा (Material Noun)।

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) – जिस संज्ञा से किसी एक ही व्यक्ति, वस्तु या स्थान विशेष का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे–

व्यक्तियों के नाम	–	राम, मोहन, सीता, कालू आदि ।
दिशाओं के नाम	–	पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण।
देशों के नाम	–	भारत, चीन, जापान, अमेरिका ।
राष्ट्रीय जातियाँ	–	भारतीय, चीनी, जापानी ।
नदियों के नाम	–	गंगा, यमुना, कावेरी, घाघरा ।
समुद्रों के नाम	–	अरब सागर, प्रशान्त महासागर ।
पर्वतों के नाम	–	अरावली, हिमालय, विंध्याचल ।
नगरों के नाम	–	जयपुर, अजमेर, पटना, दिल्ली, कोटा ।
समाचारपत्रों के नाम	–	राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, हिन्दुस्तान टाइम्स ।
पुस्तकों के नाम	–	रामायण, रजतरंगिणी, मेघदूत ।
दिनों के नाम	–	सोमवार, मंगलवार, बुधवार।
महीनों के नाम	–	जनवरी, फरवरी, मार्च, फाल्गुन, चैत ।
ग्रह-नक्षत्रों के नाम	–	पृथ्वी, सूर्य, चन्द्रमा, मंगल ।
त्योहारों के नाम	–	होली, दीवाली, ईद ।

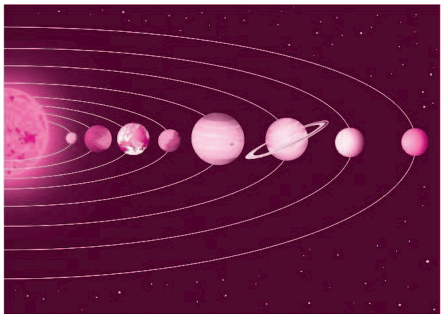

(2) जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)– जो संज्ञा शब्द किसी एक ही प्रकार के व्यक्ति या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – मनुष्य, पहाड़, नदी, भाई, बहिन, मामा, चाचा, बेटा, बेटी, माता, पिता, मन्त्री, पंडित, जुलाहा, बाबू, प्रोफेसर, शिक्षक, कवि, लेखक, पुस्तक, घोड़ा, गाय, कौआ, तोता, मोर, कुर्सी, मेज, आम, शीशम, तूफान, बिजली, वर्षा, भूकम्प, फूल आदि ।

(3) भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) – जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु और स्थान के गुण, दोष, धर्म, अवस्था और भाव आदि का बोध हो, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं । (धर्म, गुण, अर्थ और भाव प्रायः पर्यायवाची शब्द हैं)। जैसे– लम्बाई, बुढ़ापा, नम्रता, मिठास, क्रोध, शत्रुता, दया, करुणा आदि ।

(4) समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun)– जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्तियों या वस्तुओं के समूह का बोध हो, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – सभा, सेना, दल, संघ, कुंज, कक्षा, संसद, भीड़, टोली, मंडली आदि ।

(5) द्रव्यवाचक संज्ञा (Material Noun) – जिस संज्ञा से नाप-तौल वाली वस्तुओं का बोध हो, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे– सोना, चाँदी, लोहा, दूध, पानी, घी, तेल, मिट्टी, फल, अनाज आदि ।

भाववाचक संज्ञा बनाना (Formation of Abstract Noun)

जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया-शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाए जाते हैं ।

1. जातिवाचक शब्दों से भाववाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बूढ़ा	बुढ़ापा	लड़का	लड़कपन	मनुष्य	मनुष्यता
मित्र	मित्रता	दास	दासता	कलाकार	कलाकारी
नौकर	नौकरी	शत्रु	शत्रुता	बालक	बालकपन
जवान	जवानी				

2. सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञा

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
सर्व	सर्वस्व	स्व	स्वत्व	अपना	अपनत्व, अपनापन
निज	निजत्व, निजता	पराया	परायापन	मम	ममता, ममत्व

3. विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
लाल	लालिमा	काला	कालिमा	मोटा	मोटापा
सुन्दर	सुन्दरता	हरा	हरियाली	मीठा	मिठास
सफेद	सफेदी	चतुर	चतुरता, चतुराई	स्वस्थ	स्वास्थ्य
चंचल	चंचलता	विनम्र	विनम्रता	सर्द	सर्दी

4. क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा

क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा
थकना	थकावट	सजाना	सजावट	दौड़ना	दौड़
मारना	मार	हँसना	हँसी	खेलना	खेल
जीतना	जीत	भूलना	भूल	उड़ना	उड़ान
चुनना	चुनाव				

संज्ञाओं का प्रयोग (Uses of Noun)

वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा कभी-कभी व्यक्तिवाचक होते हुए भी जातिवाचक के रूप में प्रयुक्त होती है और कभी-कभी जातिवाचक संज्ञा व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त होती है । जैसे –

व्यक्तिवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के रूप में – 'आप तो पूरे विभीषण निकले' । यहाँ 'विभीषण' शब्द व्यक्तिवाचक होते हुए भी जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त हुआ है । इसी प्रकार 'आप कलयुग के भीम हो' ।

जातिवाचक संज्ञा व्यक्तिवाचक के रूप में – पंडितजी को कौन नहीं जानता । यहाँ 'पंडित' शब्द जातिवाचक होते हुए भी व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयुक्त हुआ है । इसी प्रकार दाऊ से कृष्ण के भाई बलराम का, गोस्वामी से तुलसीदास का बोध होता है । अतः ये जातिवाचक संज्ञाएँ व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ बनकर प्रयुक्त हुई हैं ।

अभ्यास-कार्य (Exercise)

बहुविकल्पात्मक प्रश्न (Multiple Type Questions)

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम को कहते हैं ?

   (अ) लिंग (ब) वचन (स) संज्ञा (द) सर्वनाम।

2. मीठा शब्द से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है–

   (अ) मिठाई (ब) मिठास (स) अ व ब दोनों (द) इनमें से कोई नहीं।

3. संज्ञा के कुल कितने भेद होते हैं–

   (अ) 4 (ब) 7 (स) 5 (द) 8.

4. विशिष्ट स्थानों के नामों को संज्ञा के किस भेद के अन्तर्गत रखा जाता है–

(अ) जातिवाचक (ब) व्यक्तिवाचक (स) भाववाचक (द) इनमें से कोई नहीं।

5. संज्ञा शब्द है–

(अ) राम (ब) तुम (स) मोटा (द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति (Fill in the blanks)

1. दिशाओं के नाम .... वाचक संज्ञाओं में आते हैं ।
2. एक ही प्रकार के व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले शब्दों को जातिवाचक .... कहते हैं ।
3. जिन संज्ञा शब्दों से .... का बोध हो, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं ।
4. बूढ़ा शब्द से भाववाचक संज्ञा .... बनेगी ।

उत्तर–(1.) व्यक्ति, (2.) संज्ञा, (3.) गुण, दोष, धर्म, भाव, (4.) बुढ़ापा।

लघूत्तरात्मक एवं निबंधात्मक प्रश्न (Short Answer and Long Answer Type Questions)

1. संज्ञा की उचित परिभाषा दीजिए ।

उत्तर– किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा गुण के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे - राम, मेज, दिल्ली, सज्जनता आदि ।

2. संज्ञा के कितने भेद होते हैं ?

उत्तर– संज्ञा के पाँच भेद होते हैं :

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (2) जातिवाचक संज्ञा, (3) भाववाचक संज्ञा, (4) समूहवाचक संज्ञा, (5) द्रव्यवाचक संज्ञा ।

3. जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं ? कुछ उदाहरण दीजिए ।

उत्तर– जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की सामान्य वस्तुओं या जाति का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – गाय, शिक्षक, छात्र, नगर, पंखा, पुस्तक, कुर्सी, मेज आदि ।

4. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

उत्तर– जिन संज्ञा शब्दों से किसी विशिष्ट व्यक्ति या स्थान का ज्ञान हो, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – राम, यमुना, रहीम, दिल्ली, जयपुर आदि ।

5. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

उत्तर– जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण, कर्म और स्वभाव का बोध हो, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – चाल, विनम्रता, बचपन, मिठास, सुख, मुस्कान, सुंदरता, बुढ़ापा, लालिमा आदि ।

6. निम्नांकित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए :

(क) लाल (ख) हरा (ग) सुंदर (घ) स्वस्थ ।

उत्तर– (क) लाल - लालिमा (ख) हरा - हरियाली (ग) सुंदर - सुंदरता (घ) स्वस्थ -स्वास्थ्य।

7. दिए गए संज्ञा शब्दों के सामने संज्ञा-भेद (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक) लिखिए :

नदीश, गिरि, वन, देश, भास्कर, एकता, मन, विश्व, भारत, शांति, प्रेम, ललाट ।

उत्तर :

शब्द	संज्ञा भेद	शब्द	संज्ञा भेद
नदीश	जातिवाचक	मन	भाववाचक
गिरि	जातिवाचक	विश्व	भाववाचक
वन	जातिवाचक	भारत	व्यक्तिवाचक
देश	जातिवाचक	शांति	भाववाचक
भास्कर (सूर्य)	व्यक्तिवाचक	प्रेम	भाववाचक
एकता	भाववाचक	ललाट	जातिवाचक

2 लिंग (Gender)

संज्ञा के 3 विकार होते हैं–(क) लिंग (Gender), (ख) वचन (Number), (ग) कारक (Case) ।

लिंग (Gendar) – ''शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के स्त्री या पुरुषवाचक होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं ।'' लिंग का अर्थ होता है – चिह्न ।

हिन्दी में लिंग (Kinds of Gender) दो हैं–(1) पुल्लिग (Masculine Gender), (2) स्त्रीलिंग (Feminine Gender)।

1. राम, लड़का, राजा, घोड़ा, हाथी, सिंह, बकरा ।

उपर्युक्त शब्द पुरुष वर्ग का बोध कराते हैं, इन्हें पुल्लिंग कहते हैं ।

2. सीता, लड़की, रानी, घोड़ी, हथिनी, सिंहनी, बकरी आदि ।

उपर्युक्त शब्द स्त्री वर्ग का बोध कराते हैं, इन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं ।

निर्जीव या अचेतन पदार्थ भी पुल्लिग या स्त्रीलिंग होते हैं, जैसे- पत्थर, पहाड़, घर आदि पुल्लिग हैं । सड़क, रस्सी, लकड़ी आदि स्त्रीलिंग हैं ।

लिंग की पहचान तथा परिवर्तन के सामान्य नियम (Identification of Gender and Simple rules)

1. जिन शब्दों के अन्त में आ, पा या पन रहता है, वे प्राय: पुल्लिग होते हैं । जैसे- खाना, दाना, बुढ़ापा, मोटापन, बचपन आदि ।

अपवाद- जटा, जरा, माला आदि शब्द स्त्रीलिंग हैं ।

2. जिन शब्दों के अन्त में ई, इया, वट या हट होता है, वे प्राय: स्त्रीलिंग होते हैं । जैसे- लड़की, लकड़ी, नदी, कुटिया, मिलावट, थकावट, घबराहट आदि ।

अपवाद – मोती, पानी, दही, घी आदि पुल्लिंग होते हैं –

पुल्लिग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम (Formation Mesculine Gender to Feminine Gender)

1. अकारान्त पुल्लिग शब्दों को आकारान्त कर देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
छात्र	छात्रा	आचार्य	आचार्या	शिष्य	शिष्या	अनुज	अनुजा
वृद्ध	वृद्धा	प्रिय	प्रिया	आत्मज	आत्मजा	श्याम	श्यामा

2. अकारान्त एवं आकारान्त शब्दों को ईकारान्त कर देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की	मोटा	मोटी	नर	नारी	गूँगा	गूँगी
दादा	दादी	घोड़ा	घोड़ी	काला	काली	बकरा	बकरी
ब्राह्मण	ब्राह्मणी	मुर्गा	मुर्गी	भतीजा	भतीजी	टोप	टोपी
साला	साली	पुत्र	पुत्री	मामा	मामी	नाना	नानी
बेटा	बेटी	चाचा	चाची				

3. अकारान्त पुल्लिग शब्दों में 'नी' जोड़ देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
मोर	मोरनी	भील	भीलनी	शेर	शेरनी	जाट	जाटनी
ऊँट	ऊँटनी	राजपूत	राजपूतनी	नट	नटनी	सिंह	सिंहनी

4. 'जातिबोधक' पुल्लिग शब्दों के अन्तिम स्वर को लोप करके 'इन' लगा देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
साँप	साँपिन	माली	मालिन	नाग	नागिन	धोबी	धोबिन
कुम्हार	कुम्हारिन	ग्वाला	ग्वालिन	सुनार	सुनारिन	पुजारी	पुजारिन

5. अकारान्त पुल्लिग शब्दों में अन्तिम स्वर को लोप करके 'आनी' लगा देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं ।

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
जेठ	जेठानी	चौधरी	चौधरानी	पण्डित	पण्डितानी	नौकर	नौकरानी
सेठ	सेठानी	देवर	देवरानी				

6. जातिबोधक पुल्लिग शब्दों के अन्तिम स्वर का लोप कर उनमें 'आइन' लगा देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं:

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
हलवाई	हलवाइन	ठाकुर	ठकुराइन	नाई	नाइन	गुरु	गुरुआइन
चौधरी	चौधराइन	पण्डित	पण्डिताइन				

7. आकारान्त पुल्लिग शब्दों में अन्तिम स्वर 'आ' के स्थान पर 'इया' कर देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं:

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
बूढ़ा	बुढ़िया	चूहा	चुहिया	कुत्ता	कुतिया	बाछा	बछिया

8. अकारान्त पुल्लिग शब्दों में 'अक' के स्थान पर 'इका' कर देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं:

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
शिक्षक	शिक्षिका	सेवक	सेविका	लेखक	लेखिका	पाठक	पाठिका
गायक	गायिका	नायक	नायिका	बालक	बालिका	अध्यापक	अध्यापिका

9. 'वान्' से समाप्त होने वाले पुल्लिग शब्दों में 'वती' तथा 'मान्' से समाप्त होने वाले पुल्लिग शब्दों में 'मती' लगा देने से वे स्त्रीलिंग हो जाते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
भगवान्	भगवती	श्रीमान्	श्रीमती	विद्यमान्	विद्यावती	बुद्धिमान्	बुद्धिमती
आयुष्मान्	आयुष्मती	धनवान्	धनवती	बलवान्	बलवती	गुणवान्	गुणवती

10. कुछ शब्द स्वतंत्र रूप से स्त्रीलिंग व पुल्लिग के जोड़े होते हैं :

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
बाप	माँ	पति	पत्नी	पिता	माता	मर्द	औरत
भाई	बहिन	बाबा	दादी	पुरुष	स्त्री	वर	वधू

कुछ शब्द 'नित्य पुल्लिग' होते हैं । इनका प्रयोग हमेशा पुल्लिग के रूप में ही होता है । इनके आगे 'मादा' विशेषण जोड़कर इन्हें स्त्रीलिंग बनाया जा सकता है ।

नित्य पुल्लिग	स्त्रीलिंग	नित्य पुल्लिग	स्त्रीलिंग
उल्लू	मादा उल्लू	कौआ	मादा कौआ
खरगोश	मादा खरगोश	तोता	मादा तोता
चीता	मादा चीता	पक्षी	मादा पक्षी
कछुआ	मादा कछुआ	भेड़िया	मादा भेड़िया

कुछ शब्द 'नित्य स्त्रीलिंग' होते हैं । इनका प्रयोग हमेशा स्त्रीलिंग के रूप में ही होता है । इन शब्दों के आगे 'नर' विशेषण लगाकर इन्हें पुल्लिग बनाया जा सकता है ।

नित्य स्त्रीलिंग	पुल्लिग	नित्य स्त्रीलिंग	पुल्लिग
मछली	नर मछली	चील	नर चील
मकड़ी	नर मकड़ी	मक्खी	नर मक्खी
चींटी	नर चींटी	तितली	नर तितली
चिड़िया	नर चिड़िया	कोयल	नर कोयल

लिंग-निर्धारण के कुछ उदाहरण (Some examples of Gender Determination)

(क) पुल्लिग शब्द (Mesculine Gender)

1. अनाजों के नाम – गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, चावल आदि अनाजों के नाम प्राय: पुल्लिग होते हैं ।

2. वृक्षों के नाम – आम, अमरूद, खेजड़ी, नीम, पीपल, बरगद, जामुन, चन्दन, शाल, सागौन, देवदार आदि वृक्षों के नाम प्रायः पुल्लिग होते हैं ।
3. पर्वतों के नाम – हिमालय, अरावली, माउण्ट आबू, नीलगिरि, विंध्याचल आदि पुल्लिग होते हैं ।
4. विभिन्न धातुएँ एवं रत्न – सोना, ताँबा, पीतल, जस्ता, हीरा, पन्ना आदि पुल्लिग होते हैं ।
5. द्रव पदार्थ - दूध, घी, शहद, तेल, पानी, रस, शर्बत आदि पुल्लिग होते हैं ।
6. ग्रहों एवं महीनों के नाम - सूर्य, चन्द्र, शनि, बुध, बृहस्पति, शुक्र, मंगल, राहु, केतु, चैत, बैसाख जेठ, आषाढ़, सावन भादों, क्वार (आश्विन), कार्तिक, अगहन, पूस, माघ, फाल्गुन आदि पुल्लिग होते हैं । अपवाद : पृथ्वी।

(ख) स्त्रीलिंग शब्द (Feminine Gender)

1. तिथियों एवं नक्षत्रों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं :
   प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा, अमावस्या, अश्विनी, रोहिणी, भरिणी, मृगशिरा आदि ।
2. नदियों व झीलों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं :
   गंगा, यमुना, घाघरा, गण्डक, रावी, ताप्ती, नर्मदा, सतलज, व्यास, चिनाव, झेलम, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, चम्बल, साँभर झील, पुष्कर झील आदि ।
   अपवाद : शोण, ब्रह्मपुत्र, सिन्धु नद हैं, अतः पुल्लिग हैं ।
3. भाषाओं के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं :
   हिन्दी, अंग्रेजी, रूसी, जापानी, चीनी, पुर्तगाली, हिब्रू, राजस्थानी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, मैथिली, भोजपुरी, मगही, गुजराती, अवधी, ब्रज, पंजाबी, संस्कृत, सिन्धी, बंगला, उड़िया, उर्दू, अरबी, फारसी आदि ।

अभ्यास–कार्य (Exercise)

बहुविकल्पात्मक प्रश्न (Multiple Type Questions)

1. 'विदुषी' का पुल्लिग है :
   (अ) ज्ञानी (ब) विद्वान (स) मेधावी (द) मूर्ख ।
2. 'लड़का' में लिंग है :
   (अ) स्त्रीलिंग (ब) पुल्लिग (स) उभयलिंग (द) नपुंसकलिंग ।
3. 'कृष्णा' में लिंग है :
   (अ) स्त्रीलिंग (ब) उभयलिंग (स) पुल्लिग (द) कोई नहीं ।
4. हिन्दी में लिंग के भेद होते हैं:
   (अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 5
5. तिथियों के नाम प्रायः होते हैं:
   (अ) पुल्लिग (ब) स्त्रीलिंग (स) नपुंसकलिंग (द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—1. (ब), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (ब)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति (Fill in the blanks)

(अ) संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष जाति या स्त्री जाति होने का बोध हो, उसे .... कहते हैं ।
(ब) वृक्षों के नाम सदैव .... होते हैं ।
(स) पर्वतों के नाम सदैव .... होते हैं ।
(द) शेर का स्त्रीलिंग .... होगा ।
(य) भाषाओं के नाम प्रायः .... होते हैं ।

उत्तर–(अ) लिंग (ब) पुल्लिग (स) पुल्लिंग (द) शेरनी (य) स्त्रीलिंग ।

सुमेलन (Matrix)

1. स्तम्भ 'क' का स्तम्भ 'ख' से उचित मिलान कीजिए–

'क'	'ख'
(1) चूहा	(क) जेठानी
(2) ब्राह्मण	(ख) ठकुरानी
(3) ठाकुर	(ग) चुहिया
(4) जेठ	(घ) ब्राह्मणी

उत्तर- (1) ग, (2) घ, (3) ख, (4) क ।

लघूत्तरात्मक एवं निबंधात्मक प्रश्न (Short Answer and Long Answer Type Questions)

1. निम्नलिखित पुल्लिंग शब्दों के सामने उनके स्त्रीलिंग लिखिए–
   (i) शिष्य (ii) पिता (iii) नर (iv) पाठक (v) अध्यापक

उत्तर- (i) शिष्या (ii) माता (iii) नारी (iv) पाठिका (v) अध्यापिका

2. निम्न स्त्रीलिंग शब्दों के सामने उनके पुल्लिंग शब्द लिखिए–
   (i) सबला (ii) नानी (iii) साम्राज्ञी (iv) सास (v) लेखिका

उत्तर- (i) निरीक्षक (ii) याचक (iii) भाग्यशाली (iv) श्री (v) रूपवान।

3. लिंग की परिभाषा दीजिए ।

उत्तर– संज्ञा के जिस रूप से पुरुष या स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं ।

4. लिंग के भेद बताइए ।

उत्तर– लिंग के दो भेद होते हैं : (1) पुल्लिग, (2) स्त्रीलिंग ।

5. नीचे लिखे वाक्यों में मोटे छपे शब्दों के लिंग बताइए :
   (i) **मछली** जल में रहती है । (ii) **मुर्गियाँ** अंडे देती हैं । (iii) **कछुआ** चल रहा है । (iv) **हिमालय** सबसे ऊँचा पर्वत है । (v) **चंबल** कोटा के पास बहती है ।

उत्तर– (i) स्त्रीलिंग (ii) स्त्रीलिंग (iii) पुल्लिग (iv) पुल्लिग (v) स्त्रीलिंग ।

6. नदियों और झीलों के नाम प्राय: किस लिंग में लिखे जाते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर– नदियों और झीलों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग में लिखे जाते हैं, जैसे – गंभीर, बाणगंगा, रूपारेल, डलझील नक्की झील, साँभरझील, पिछौला झील, लूनी, पार्वती आदि ।

7. पर्वतों के नाम किस लिंग में लिखे जाते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

उत्तर– पर्वतों के नाम सदैव पुल्लिग में लिखे जाते हैं ।
जैसे– काला, अरावली, माढ़ौली, रसिया, आबू, हिमालय, आल्पस आदि ।

8. ग्रहों के नाम किस लिंग में लिखे जाते हैं?

उत्तर– ग्रहों के नाम सदैव पुल्लिग में लिखे जाते हैं, जैसे- सूर्य, बृहस्पति, मंगल, चंद्रमा, राहु, केतु, शुक्र, शनि आदि ।

9. नक्षत्रों के नाम किस लिंग में लिखे जाते हैं?

उत्तर– नक्षत्रों के नाम सदैव स्त्रीलिंग में लिखे जाते हैं, जैसे– चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, रोहिणी आदि ।

10. वृक्षों के नाम सदैव किस लिंग में लिखे जाते हैं ?

उत्तर– वृक्षों के नाम सदैव पुल्लिग में लिखे जाते हैं। जैसे- आम, केला, अमरूद, आँवला, पीपल, बरगद आदि ।

●●